<u>शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम हेतु समस्त महाविद्यालयों के लिए दिशानिर्देश</u>

"एन.सी.टी.ई. (NCTE) दिशानिर्देशों के आलोक में परीक्षा प्रणाली के सन्दर्भ में सामान्य दिशानिर्देश"

- ये समस्त दिशानिर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं एन.सी.टी.ई. (NCTE), नई दिल्ली के दिशानिर्देशों के आलोक में शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम की परीक्षा प्रणाली को क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली में नियमानुसार प्रभावी करने हेतु जारी किये जा रहे हैं।
- प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज से सम्बद्ध शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम संचालित करने वाले समस्त राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों पर ये दिशानिर्देश लागू होंगे तथा समस्त महाविद्यालयों को इन सभी दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।
- ये समस्त दिशानिर्देश सत्र **2021-22** से शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की होने वाली सभी परीक्षाओं पर अनिवार्यतः लागू होंगे तथा पूर्व में निर्धारित परीक्षा प्रणाली स्वतः संशोधित मानी जाएगी।

परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था -

- शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं पूर्व की भांति सेमेस्टर पद्धति से ही होंगी।
- सभी प्रश्नपत्र **100 अंक** के होंगे, जिनको क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर परिवर्तित करके अंकपत्र तैयार किये जायेंगे।
- सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों हेतु 100 अंकों में से 75 अंकों की बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा) तथा 25 अंकों की आंतरिक परीक्षा (सतत आंतरिक मूल्यांकन) होगा। (Annexure-1)
- प्रायोगिक प्रश्नपत्र भी 100 अंक के होंगे, जिनमें प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रायोगिक परीक्षा पूर्णतया आंतरिक होगी, जबकि तृतीय सेमेस्टर में प्रायोगिक परीक्षा पूर्णतया बाह्य होगी। (Annexure-1)
- प्रत्येक सेमेस्टर में विस्तार-कार्य (Extension Work) पूर्णतया आन्तरिक होगा। जिसमें विद्यार्थियों को A से E तक के ग्रेड प्रदान किये जायेंगे। (Annexure-1)
- प्रत्येक सेमेस्टर में सैद्धांतिक विषयों में सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Evaluation) तीन अवसरों पर किया जाएगा। प्रत्येक आंतरिक मूल्यांकन का पूर्णांक 12.5 अंक एवं अधिकतम कालावधि एक घण्टे की होगी।

- सैद्धांतिक विषयों में इन तीन सतत आंतरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो मूल्यांकन लिखित परीक्षण एवं तीसरा मूल्यांकन लिखित/ सेमिनार/ असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण आदि के रूप में होगा। लिखित परीक्षा वर्णनात्मक (लघुउत्तरीय) प्रकार की होगी।

- **उदाहरणार्थ :**

सतत आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)					
Continuous Internal Evolution (CIE) (सतत आंतरिक मूल्यांकन)	**TEST – 1**	**TEST – 2**	**TEST – 3**	**BEST OF ANY TWO TEST**	**TOTAL**
	(MM-12.50)	**(MM-12.50)**	**(MM-12.50)**	**(Test-1/Test-2 /Test-3)**	**(MM-25)**
PAPER – 1	6.00	7.00	5.00	6.00 + 7.00	**13.00**
PAPER – 2	4.00	8.00	9.00	8.00 + 9.00	**17.00**

- तीन सतत आन्तरिक मूल्यांकन में से दो सर्वश्रेष्ठ प्राप्तांकों को बाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) में पाये गए प्राप्तांकों के साथ जोड़ा जाएगा।

- प्रत्येक विद्यार्थी को सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में कम से कम दो सतत आन्तरिक मूल्यांकन, प्रायोगिक तथा विस्तार-कार्य एवं बाह्य परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है अन्यथा उस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी को अनुपस्थित मानकर AB ग्रेड दिया जाएगा अर्थात विद्यार्थी को तीन सतत आन्तरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो आन्तरिक मूल्यांकन, प्रायोगिक तथा विस्तार-कार्य मूल्यांकन में उपस्थित होना अनिवार्य होगा नहीं तो वह बाह्य परीक्षा हेतु पात्र नहीं होगा तथा विद्यार्थी को उस प्रश्नपत्र में अनुपस्थित माना जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र का निर्माण एवं सम्बंधित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, उस प्रश्नपत्र का अध्यापन कार्य करने वाले शिक्षक द्वारा ही किया जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन फीडबैक आधारित होगा। मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका विद्यार्थी को दिखाने एवं उनकी संतुष्टि के उपरान्त वापस ली जाएगी तथा परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद सम्बन्धित संस्था द्वारा कम से कम छः महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकतानुसार इनका परीक्षण किया जा सकता है।

- आन्तरिक मूल्यांकन के संदर्भ में सम्बंधित शिक्षक का निर्णय अन्तिम होगा।

- आन्तरिक मूल्यांकन में होने वाले समस्त व्यय को सम्बंधित संस्था द्वारा ही वहन किया जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु समय-सारणी विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाएगी। प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन के अंक, द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन के पूर्व एवं द्वितीय के अंक, तृतीय के पूर्व तथा तृतीय मूल्यांकन के अंक बाह्य परीक्षा के 15

दिन पूर्व लॉगिन में अपलोड करना सुनिश्चित करना होगा। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय लॉगिन बंद होने के पश्चात अंक किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

- विस्तार-कार्य एवं प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रायोगिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं दो आतंरिक परीक्षकों द्वारा सम्पन्न कराई जाएंगी।

- तृतीय सेमेस्टर में प्रायोगिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं दो परीक्षकों (एक आतंरिक एवं एक बाह्य शिक्षक) द्वारा सम्पन्न कराई जाएंगी।

- प्रायोगिक एवं विस्तार-कार्य मूल्यांकन के अंकों/ग्रेड को भी, सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु खोली गई लॉगिन के समय ही अपलोड करना सुनिश्चित करना होगा। इनके लिए अलग से लॉगिन नहीं खोली जाएगी।

- सम्बन्धित संस्था द्वारा सतत आन्तरिक मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाओं एवं विस्तार-कार्य मूल्यांकन के समस्त अभिलेख परिणाम घोषित होने के पश्चात कम से कम छः महीने तक सुरक्षित रखे जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकतानुसार इनका परीक्षण किया जा सकता है।

- बाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में संपन्न कराई जाएगी।

- लिखित बाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) 75 अंको की होगी।

- लिखित परीक्षा की कालावधि **2 घण्टे** एवं शब्द सीमा अधिकतम **2000** की होगी।

- लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए बनाये जायेंगे। जिसमें अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रकार के प्रश्न होंगे और प्रश्नपत्र में प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दिए जायेंगे। विद्यार्थी को निम्नलिखित संख्या में प्रश्नों को हल करना अनिवार्य होगा :-

प्रश्नों के प्रकार	**प्रश्नों की संख्या**	**कुल अंक**	**शब्द सीमा (प्रति प्रश्न)**
अति लघुउत्तरीय प्रश्न	03	03 X 03 = 09	50 शब्द
लघुउत्तरीय प्रश्न	04	04 X 09 = 36	200 शब्द
दीर्घउत्तरीय प्रश्न	02	02 X 15 = 30	500 शब्द
कुल योग	**09**	**75**	**अधिकतम 2000**

क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली :-

- समस्त विषयों में क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली लागू होगी। सैद्धांतिक विषयों हेतु एक क्रेडिट एक घण्टे के अध्यापन के बराबर होगा, जबकि प्रायोगिक विषयों हेतु एक क्रेडिट दो घण्टे के अध्यापन के बराबर होगा।

- सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों में 4 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 60 घण्टे, 5 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 75 घण्टे की होगी। जबकि प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों में 5 क्रेडिट के प्रश्नपत्र की कक्षाएँ न्यूनतम 150 घण्टे की तथा 8 क्रेडिट के प्रश्नपत्र की कक्षाएँ न्यूनतम 240 घण्टे की होगी।

सत्र	प्रश्नपत्र (क्रेडिट)	अध्यापन की न्यूनतम अवधि	
		सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम	प्रायोगिक पाठ्यक्रम
सेमेस्टर	4 क्रेडिट	60 घण्टे	120 घण्टे
सेमेस्टर	5 क्रेडिट	75 घण्टे	150 घण्टे
सेमेस्टर	8 क्रेडिट	120 घण्टे	240 घण्टे

- विद्यार्थी कुल 60 प्रतिशत क्रेडिट अर्जित करने के पश्चात ही अगले वर्ष/सेमेस्टर में प्रोन्नत किया जाएगा। 60 प्रतिशत से कम क्रेडिट प्राप्तांको की दशा में विद्यार्थी को पुनः अगले सत्र में उसी वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश लेकर अध्ययन करना होगा।
- **समस्त पाठ्यक्रमों में 10 पॉइंट ग्रेडिंग प्रणाली लागू होगी जो निम्नवत है :-**

लेटर ग्रेड	ग्रेड पॉइंट	विवरण	अंको की सीमा (प्रतिशत)
O	10	Outstanding	90-100
A^+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B^+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
AB	0	Absent	Absent

- **SGPA एवं CGPA की गणना निम्नवत सूत्र के तहत की जाएगी :**

SGPA (Si) =∑(Ci x Gi) /∑Ci	**यहाँ पर :** **Ci =** the number of credits of the ith course in a semester **Gi=** the grade point scored by the student in the ith course.
CGPA = ∑(Ci x Si) / ∑ Ci	**Si=** Si is the SGPA of the ith semester **Ci=** the total number of credits in the ith semester.

- **CGPA को प्रतिशत अंको में निम्नलिखित सूत्र के अनुसार परिवर्तित किया जायेगा :**

समतुल्य प्रतिशत = CGPA x 10

- **विद्यार्थियों को निम्नवत सारणी के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी :**

श्रेणी	वर्गीकरण
विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी	8.00 अथवा उससे अधिक CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।
प्रथम श्रेणी	6.50 से अधिक तथा 8.00 से कम CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।
द्वितीय श्रेणी	5.00 से अधिक तथा 6.50 से कम CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।
उत्तीर्ण श्रेणी	4.00 से अधिक तथा 5.00 से कम CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।

- विश्वविद्यालय भविष्य में उपर्युक्त दिशानिर्देशों में किसी भी प्रकार का संशोधन एवं परिवर्तन कर सकता है तथा उपर्युक्त किसी भी बिन्दु को किसी भी समय निरस्त कर सकता है।

कुलसचिव,
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय,
प्रयागराज।

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj

(Annexure–I)

B.Ed.

(BACHELOR OF EDUCATION)
EXAMINATION AND SYLLABUS SCHEME
(Credit and Grading System)

(Session 2021-22 onwards)

B.Ed. Semester – I

Course Code	Course Name	Evaluation (MM=100)			Credits (MM=24)
		Internal		External	
		CIE	Practical	ETE	
E060101T	Philosophical and Sociological Perspective of Education	25	-	75	5 Credits
E060102T	Psychological Perspective of Education	25	-	75	5 Credits
E060103T	School Management and Hygiene	25	-	75	5 Credits
E060104T E060105T	Value and Peace Education Or Inclusive Education	25	-	75	4 Credits
E060106P	Practical	-	100	-	5 Credits
E060107R	Extension Work	Grade A to E			

Marks Distribution for Practical Paper and Extension Work

Course	Course Code	Marks Distribution (MM-100)	
		Particulars	Marks Allotted
Practical	E060106P	Review of any relevant book	40
		One Week observation of teaching of regular teachers	20
		Survey of Any institution	20
		Preparation of question paper of Secondary level	20
Extension Work	E060107R	Yoga: Theoretical understanding and practice of Asana, Pranayama and Meditation	Grade A to E
		Extension work in Community as Health, Hygiene and Zero garbage.	

There is:

CIE: Continuous Internal Evaluation.

ETE: End Term Examination (University Exam)

Note: Continuous Internal Evaluation (CIE) will be three time as Test-I, Test-II and Test-III as per schedule decided by University and Best of Two test marks will be included in final marks. Each test will be of 12.50 marks. Please refer to examinations guideline.

B.Ed. Semester – II

Course Code	Course Name	Evaluation (MM=100)			Credits (MM=24)
		Internal		External	
		CIE	Practical	ETE	
E060201T	Contemporary India and Education	25	-	75	5 Credits
E060202T	Theoretical Foundation of Curriculum	25	-	75	5 Credits
E060203T	Child and Adolescent Development	25	-	75	5 Credits
E060204T E060205T	Technological Perspective of Education Or Environmental Education	25	-	75	4 Credits
E060206P	Practical	-	100	-	5 Credits
E060207R	Extension Work	Grade A to E			

Marks Distribution for Practical Paper and Extension Work			
Course	Course Code	Marks Distribution (MM-100)	
		Particulars	Marks Allotted
Practical	E060206P	Microteaching and Lesson planning	40
		Educational Psychology Practical	40
		Preparation of TLM	20
Extension Work	E060207R	Extension Work in Community as related to literacy, environmental degradation	Grade A to E
		Library Visit of school and Report writing	

B.Ed. Semester – III

Course Code	Course Name	Evaluation (MM=100)			Credits (MM=24)
		Internal		External	
		CIE	Practical	ETE	
E060301T	Pedagogy of School Subject - I	25	-	75	4 Credits
E060302T	Pedagogy of School Subject - II	25	-	75	4 Credits
E060303P	Practical Teaching of School Subject - I	-	-	100	8 Credits
E060304P	Practical Teaching of School Subject - II	-	-	100	8 Credits
E060305R	Extension Work	Grade A to E			

Marks Distribution for Extension Work			
Course	Course Code		
		Particulars	Marks Allotted
Extension Work	E060305R	Report Submission on internship experience	Grade A to E
		Invite Feedback from internship School	

B.Ed. Semester – IV

Course Code	Course Name	Evaluation (MM-100)			Credits (MM=24)
		Internal		External	
		CIE	Practical	ETE	
E060401T	Fundamental of Teacher Education	25	-	75	5 Credits
E060402T	Innovations in Education	25	-	75	5 Credits
E060403T	Measurements and Evaluation in Education	25	-	75	5 Credits
E060404T E060405T	Distance and Open Education Or Guidance and Counselling in Education	25	-	75	4 Credits
E060406P	Practical	-	100	-	5 Credits
E060407R	Extension Work	Grade A to E			

Marks Distribution for Practical Paper and Extension Work			
Course	Course Code	Marks Distribution (MM-100)	
		Particulars	Marks Allotted
Practical	E060406P	Visit to a distance/open educational institution	60
		Construction of an achievement test in any school subject	40
Extension Work	E060407R	Educational tour	Grade A to E
		Organization and management of Cocurricular activities	

There is:

CIE: Continuous Internal Evaluation.

ETE: End Term Examination (University Exam)

Note: Continuous Internal Evaluation (CIE) will be three time as Test-I, Test-II and Test-III as per schedule decided by University and Best of Two test marks will be included in final marks. Each test will be of 12.50 marks. Please refer to examinations guideline.